Date
04/05/2020

अधिगम के लिये आकलन

Topic - सहसम्बन्ध गुणांक

B.Ed IInd Year
Period - IInd

सहसम्बन्ध का अर्थ ⇒

सहसम्बन्ध से तात्पर्य किसी वस्तु, समूह अथवा घटना के एक चर में होने वाले परिवर्तन से दूसरे चर में होने वाले परिवर्तन से होता है।

सहसम्बन्ध (Correlation) दो चरों के बीच पाये जाने वाले संयुक्त सम्बन्ध को इंगित करता है।

परिभाषा ⇒

"सह सम्बन्ध मनोवैज्ञानिक परीक्षक के लिये उतना ही महत्वपूर्ण है जितना कि एक रसायनशास्त्री के लिये उसकी तराजू"।

2 "सह सम्बन्ध दो चरों के बीच सीनकरता के स्तर का एक सांख्यिकीय माप है।"

सहसम्बन्ध के प्रकार ⇒

सहसम्बन्ध तीन प्रकार का होता है।

1 ⇒ धनात्मक सहसम्बन्ध

2 ⇒ ऋणात्मक सहसम्बन्ध

3 ⇒ शून्य सहसम्बन्ध

Scanned with CamScanner

सहसम्बन्ध की उपयोगिता एवं महत्व ⇒

शिक्षा के क्षेत्र में सहसम्बन्ध की उपयोगिता एवं महत्व निम्न प्रकार है।

1 ⇒ दो विषयो के सहसम्बन्ध की सहायता से यदि उपरोक्त अनुमान सही न निकले तो यह निदान करना आवश्यक हो जाता है कि उसका कारण क्या है। निदान करने के बाद उपचारात्मक शिक्षण की व्यवस्था की जाती है।

2 ⇒ क्रियात्मक अनुसन्धान में सहसम्बन्ध का प्रयोग विशेष रूप से किया जाता है।

3 अध्ययन विषयो के सहसम्बन्ध की सहायता से छात्रो को शैक्षिक एवं व्यावसायिक निर्देशन देने में सहायता मिलती है।

सहसम्बन्ध की सीमाएं ⇒

1 किन्ही दो विषयो के सहसम्बन्ध से उनके बीच सहसम्बन्धो के मूल कारणो का ज्ञान नही होता।

2 सहसम्बन्ध गुणांक का अर्थापन परिस्थितियो पर निर्भर करता है इसीलिए उसकी व्याख्या करना थोड़ा कठिन कार्य है।

[illegible signature]
4/05/2020

Scanned with CamScanner